/

बिहार सरकार
उद्योग विभाग
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय

पत्रांक— ह0क0सह0—(यो0 / जी0आई0)—02 / 2017 .... पटना, दिनांक— ....
प्रेषक,

अपर उद्योग निदेशक (तक0),
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय, बिहार, पटना।

सेवा में,

महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र,
पटना / नालन्दा / नवादा / औरंगाबाद / रोहतास / कैमूर / मधुबनी / सिवान / बांका / भागलपुर / गया।
उप विकास पदाधिकारी (वस्त्र), भागलपुर / गया।
सहायक निबंधक (बुनकर),
सहयोग समितियाँ, गुलजारबाग, पटना।

विषय :— **भौगोलिक संकेतन (Geographical Indication) पंजीकरण से संबंधित टेक्सटाईल कमिटी का पत्र का अनुपालन के संबंध में।**

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में वस्त्र आयुक्त एवं अध्यक्ष, वस्त्र समिति, मुम्बई से प्राप्त भौगोलिक संकेतन अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु उनका अर्द्धसरकारी पत्रांक10 / 16 / 68 / 2016MR दिनांक $\frac{6}{13}$ फरवरी 2017 अनुबद्ध करते हुए कहना है कि बुनकरों द्वारा हाथ से बुने एवं सृजित किये गये विशिष्ट परम्परागत हथकरघा वस्त्र उत्पादों को विलुप्त होने से बचाने के लिए एवं संरक्षित किये जाने हेतु भौगोलिक संकेतन पंजीकरण करने लिए वस्त्र समिति एक सांविधिक निकाय है।

अतः अनुरोध है कि आपके क्षेत्राधिकार के परंपरागत विशिष्ट हथकरघा वस्त्रों की हो रहे बुनाई गतिविधि को प्रोत्साहित एवं संरक्षित करने हेतु उनके उत्पादों को चिन्हित करते हुए उनके भौगोलिक संकेतन पंजीकरण कराये जाने हेतु प्रस्ताव भेजा जाय।

कृपया इसे सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें।

अनु0:— यथोक्त।

विश्वासभाजन,

ह0 / —
अपर उद्योग निदेशक (तक0),
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय, बिहार, पटना।

ज्ञापांक— ह0क0सह0—(यो0 / जी0आई0)—02 / 2017 .... पटना, दिनांक— ....
प्रतिलिपिः— उद्योग निदेशक, उद्योग निदेशालय, बिहार, पटना को अनुलग्नक सहित सूचनार्थ प्रेषित।
अनुरोध है कि शिल्पियों / दस्तकारों के भौगोलिक संकेतन पंजीकरण के संबंध में आपके स्तर से कार्रवाई अपेक्षित है।

ह0 / —
अपर उद्योग निदेशक (तक0),
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय, बिहार, पटना।

ज्ञापांक— ह0क0सह0—(यो0 / जी0आई0)—02 / 2017 493 पटना, दिनांक— 21.04.17
प्रतिलिपिः— आई0टी0 मैनेजर, उद्योग विभाग को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय के 'गार्ड फाइल' के नाम से अलग एक Window बनाकर उसमें इसे अपलोड किया जाय।

20.04.17
अपर उद्योग निदेशक (तक0),
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय, बिहार, पटना।

Letter(A.V.K) 2017- 23

डॉ. कविता गुप्ता, भा.प्र.से.
वस्त्र आयुक्त एवं अध्यक्ष, वस्त्र समिती
Dr. Kavita Gupta, I.A.S.
Textile Commissioner of India &
Vice Chairperson, Textiles Committee

वस्त्र समिती
(भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय)
पी. बालू रोड, प्रभादेवी चौक, प्रभादेवी, मुंबई - ४०० ०२५.

TEXTILES COMMITTEE
(Government of India Ministry of Textiles)
P. Balu Road, Prabhadevi Chowk, Prabhadevi, Mumbai - 400 025.
Tel. No.: +91 22 66527508 • Fax : +91 22 66527509
Email : txc-otxc@nic.in • Website : www.textilescommittee.nic.in

DO No.10/16/68/2016-MR

6th Feb, 2017

Sub: Initiatives on IPR Protection of Unique Textiles through GI and Post-GI Initiatives – reg.

Dear Sir,

As you may be kindly aware, the Trade Related Intellectual Property Rights (TRIPS) Agreements signed under the Frame Work of the World Trade Organisation (WTO) has included **Geographical Indication (GI)** as one of the Intellectual Property Rights (IPRs). India, being a signatory to the agreement has also enacted the GI Act, 1999 and Rule 2003 for protection of GI designated products of the country. The unique hand woven and hand crafted textiles, which constitute an important component of Indian Textile Industry also qualifies for GI registration under the Act e.g. **Sujini Embroidery and Bhagalpur Silk** which are known for unique design product process, motifs and associated to a particular geographical area. The IPR Protection of these products will help this important produce, which bears generational legacy and depicts socio-cultural ethos of India in protecting the Intellectual Property against infringement and help in promoting the products both in domestic and international markets.

In order to support thousands of weavers/artisans of hand woven/hand crafted textiles

As of now, the Committee has facilitated GI registration of 46 products and are helping many producers in registering themselves in the Part - B of the Act as Authorised User. Some of the prominent products registered by Committee are Banaras Brocades & Sarees, Lucknow Chikan Craft, Khandua Sarees, Balarampuram Cotton Sarees, Paithani Sarees & Fabrics, Pochampally Ikat, etc. As a part of the Post GI Initiatives, the Committee has prepared detailed model Manual for implementation of different activities in a systematic and sustained manner.

The protection of traditional products of the country is utmost important in view of the growing infringement by other countries. The protection could also save the niche market and the livelihood of the million stakeholders associated with the product. Besides strengthening these important source of livelihood to thousands of artisans/weavers associated with it.

In view of the above, I request you to be a part of this initiative for protecting and promoting this traditional heritage of the country and helping thousands of weavers. The Textiles Committee would always be happy to support the State Government by facilitating GI Registration of the products and implementing Post-GI Initiatives for the Registered products.

with regards,

Yours sincerely,

Kavita Gupta

(Dr. Kavita Gupta)

Shri Anjani Kumar Singh, IAS,
Chief Secretary,
Government of Bihar,
Old Secretariat,
Patna-800015.
Bihar.